(ख) पांचवीं योजना के प्रथम वर्ष (1974–75) और चौथे वर्ष अर्थात् अन्तिम वर्ष (1977–78) में उर्वरकों की मांग निम्न प्रकार रही :—

(नाइट्रोजन के रूप में लाख टनों में)

वर्ष	नाइट्रोजन	फास्फेट	पोटाश
1	2	3	4
1974–75	17.66	4.71	3.36
1977–88 (अनुमानित)	28.88	8.27	4.69

(ग) इस समय उर्वरकों का उत्पादन उनकी मांग से कम होता है अतः इस अन्तर को आयात द्वारा पूरा किया जाता है। उर्वरकों के उत्पादन के लिए अतिरिक्त क्षमता स्थापित करने हेतु एक वृहद कार्यक्रम इस समय कार्यान्वयनाधीन है। तथापि इस कार्यक्रम के पूरा होने पर भी 1983–84 तक मांग और उत्पादन में लगभग 12 लाख टन नाइट्रोजन और 6 लाख टन फास्फेट का अन्तर होने की आशा है। इस अन्तर को कम करने और आत्म निर्भरता की ओर बढ़ने के लिए अतिरिक्त क्षमता स्थापित करने के बारे में कार्यवाही की जा रही है।

क्षतिग्रस्त रेल लाइनें

* 477. **श्री विनायक प्रसाद यादव :** क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी देने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे :

(क) सम्पूर्ण देश में कुल कितनी रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हैं तथा ये लाइनें कब क्षतिग्रस्त हुई थीं तथा उसके क्या कारण हैं; और

(ख) पूर्वोत्तर रेलवे में समस्तीपुर डिवीजन में निरमली भारपवाही (सरायगढ़) और प्रतापगंज भीम नगर लाइन कब क्षतिग्रस्त हुई थी और इसको पुनः चालू करने के लिए प्रारम्भिक सर्वेक्षण करने हेतु प्रशासनिक मंजूरी कब दी गई थी तथा उस पर कार्य कब आरम्भ होगा ?

रेल मंत्री (श्री० मधु दंडवते) : (क) निम्नलिखित क्षतिग्रस्त रेल लाइनों को अभी तक फिर से नहीं बिछाया गया है :—

क्रम संख्या	लाइन का नाम	वर्ष, जबकि लाइन को उखाड़ा/समाप्त किया गया था	उखाड़ने/समाप्त करने के कारण
1	2	3	4
1.	निर्मली-सरायगढ़ (भपतियाही)	1937–38	बाढ़
2.	प्रतापगंज—भीमनगर	1911	–यथोक्त–
3.	छितौनी-बगहा (निर्माण के लिए अनुमोदित)	1924	–यथोक्त–
4.	दमोहानी-चंग्रबंधा	1968	–यथोक्त–
5.	रामेश्वरम्-धनुषकोडि	1964	–यथोक्त–

(ख) निर्मली और सरायगढ़ के बीच मीटर लाइन रेल सम्पर्क को फिर से बिछाने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 1973 में इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण की स्वीकृति दी गई थी । इस सर्वेक्षण द्वारा इस परियोजना की सिफारिश नहीं की गई थी । 1974 में एक नये सर्वेक्षण के आदेश दिये गये थे और पुरानी रेल लाइन को फिर से चालू करने और निर्मली से भीमनगर तक मीटर लाइन रेल सम्पर्क की व्यवस्था के विकल्प जिसे दाद में ललितग्राम से मिलाने का प्रस्ताव था, के बारे में जांच-पड़ताल की गई है । इनके सम्बन्ध में 1977 में रिपोर्ट प्राप्त हो गई है । इन दोनों विकल्पों के अन्तर्गत कोसी नदी पर भारी लागत वाले पुल का निर्माण करना शामिल है । संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण इस परियोजना का प्रारम्भ करना संभव नहीं हो पाया है ।

धनबाद और दानापुर डिवीजनों को समाप्त करना

*478. **श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आपात स्थिति के दौरान दानापुर और धनबाद डिवीजनों को समाप्त कर मुगलसराय को डिवीजन बनाने का निर्णय लिया गया था ;

(ख) क्या उक्त निर्णय के अनुसार सरकार उन दोनों डिवीजनों को समाप्त कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त डिवीजनों को समाप्त करने का क्या औचित्य है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) आपातकाल के दौरान मुगलसराय में एक नया मंडल कार्यालय स्थापित करने का निश्चय किया गया था । लेकिन दानापुर और धनबाद मंडलों को समाप्त करने का कोई विनिश्चय नहीं किया गया था ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता ।

वातानुकूलित तथा पहले दर्जे के डिब्बों से आय

*479. **श्री शरद यादव :** क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी देने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे :

(क) जनवरी 1977 से दिसम्बर, 1977 के दौरान वातानुकूलित तथा पहले दर्जे के डिब्बों पर कितना व्यय किया गया और उन से कितनी आय हुई; और

(ख) क्या यह भी पता लगाया गया है कि इन डिब्बों में कौन सरकारी अधिकारी तथा कम्पनी अधिकारी यात्रा करते हैं तथा उनके किराये की अदायगी कौन करता है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) वातानुकूल और पहले दर्जे के सवारी डिब्बों पर वास्तव में जो खर्च हुआ है उसके आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि इन आंकड़ों को लेखों में अलग-अलग दर्जेवार नहीं दिखाया जाता है । लेकिन, जनवरी, 1977 से दिसम्बर, 1977 तक की अवधि के दौरान वातानुकूल और पहले दर्जे के यात्रियों से हुई आमदनी क्रमश: 4.97 करोड़ और 52.60 करोड़ रुपये थी ।

(ख) जी नहीं ।

WORLD BANK MISSION

*480. SHRI PRASANN BHAI MEHTA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether a World Bank Mission was expected to visit India in January 1978 to undertake appraisal of a new railway credit project which is likely to cover workshop and locomotives modernisation and manufacture of wheels and axles;

(b) whether the Mission of the World Bank visited India in January, 1978;

(c) if so, the outcome of the visit;